MAHARISHI UNIVERSITY OF MANAGEMENT AND TECHNOLOGY

MAHARISHI ROAD, MANGLA, BILASPUR (CHHATTISGHAR)-495001

FINAL EXAM : SEMESTER-II, SESSION 2020-21(ATKT) & 2021-22

COURSE –MA YOGA, PAPER – I

SUBJECT CODE : MAYOGA108, SUBJECT : PATANJAL YOGA DARSHAN

Max Marks : 70 **Min Pass Marks : 28**

निर्देश : सभी प्रश्नों को हल करें।

प्रश्न 01 विकल्प की सहायता से प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 01X10=10

(i) महर्षि व्यास के अनुसार योग की परिभाषा है?

(अ) योगः चित्त निवृत्ति। (ब) योगः मनः निर्विशयं

(स) मनः प्रश्मनोपायो योग इत्यथिदीयते (द) योगः समाधि।

(ii) चित्त वृत्त निरोध का उपाय क्या है?

(अ) विवेकख्याति (ब) अभ्यास–वैराग्य

(स) झसकेतनवृत्ति (द) एकतत्व का अभ्यास

(iii) ..... का कार्य पुरूष को भोग और अपवर्ग प्रदान करना है?

(अ) द्रष्टा (ब) द्रष्टा एवं दृश्य

(स) दृश्य (द) द्रष्टा एवं दृश्य दोनो नहीं

(iv) प्रकृति एवं पुरूष के संयोग का क्या कारण है?

(अ) क्लेश (ब) कर्माशय (स) अविद्या (द) चित्त विक्षेप

(v) किया योग के फल हैं?

(अ) समाधि भाव की प्राप्ति (ब) पर वैराग्य

(स) विवके ख्याति (द) ऋतम्भरा प्रज्ञा

(vi) पातंजल योग सूत्र के अनुसार कायसम्पद की प्राप्ति किससे होती है?

(अ) पुरूष के ज्ञान से (ब) भूतजय से

(स) इन्द्रिय जय से (द) अष्टसिद्धि से

(vii) किसमें संयम करने से भूख एवं प्यास की निवृत्ति हो जाती है?

(अ) कुर्मनाड़ी (ब) समान वायु (स) नाभीचक (द) कण्ठकुप

(viii) प्रमाद का क्या अर्थ है?

(अ) मिथ्याज्ञान (ब) लापरवाही (स) विषयाशक्ति (द) अविरति

(ix) अष्टांगयोग के अनुष्ठान से ..... फल प्राप्त होता है?

(अ) समाधि (ब) किया योग (स) अशुद्धियों का क्षय (द) विवेक ज्ञान

(x) शव प्रत्यय समाधि किससे संबंधित है?

(अ) सम्प्रज्ञात समाधि (ब) सबीज समाधि (स) निर्बीज समाधि (द) सविचार समाधि

प्रश्न 02 अति लघु उत्तरीय प्रश्न(प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है, कोई पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें) 02X5=10

(i) चित्त क्या है?

अथवा

विक्षिप्त भूमि को स्पष्ट कीजिए।

(ii) द्रष्टा क्या है?

अथवा

दृश्य का स्वरूप क्या है?

(iii) दृश्य के स्वभाव को लिखिए।

अथवा

योग सुत्र के अनुसार पुरूष क्या है?

(iv) अस्तेय को समझाइये।

अथवा

(v) ईश्वर प्रणिधान को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

चेतना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न03 लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का है कोई 2 प्रश्न करने है) 5x2=10

(i) चित्त वृत्ति के स्परूप को स्पष्ट कीजिए।

(ii) योग सुत्र पर हुए भाष्यों का वर्णन कीजिए।

(iii) कैवल्य के स्परूप को समझाइये।

प्रश्न 04 दीर्घउत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है कोई 4 प्रश्न करने है) 10x4=40

प्र0 (i) ईश्वर एवं उनके स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

प्र0 (ii) चित्त विक्षेप के विभिन्न प्रकारों को लिखिए।

प्र0 (iii) मन के स्वरूप को विस्तार से समझाइये।

प्र0 (iv) धर्ममेध समाधि का अर्थ, स्वरूप एवं उनके फलों का वर्णन कीजिए।

प्र0 (v) सबीज समाधि को विस्तार से समझाइये।

प्र0 (vi) योग सुत्र के अनुसार परिणाम से कैसे रूपान्तरण संभव है? स्पष्ट कीजिए।

प्र0 (vii) अष्ट सिद्धि को विस्तार से समझाइये।

****